खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10. मम्मट के अनुसार काव्य के प्रयोजनों की विशद व्याख्या कीजिए।

11. 'लक्षणा तेन षड्विधा' के आधार पर लक्षणा का विशद वर्णन कीजिए।

12. 'काव्यस्यात्मा ध्वनिरिति' आनन्दवर्धन के अनुसार ध्वनि का वर्णन कीजिए।

13. वक्रोक्ति सिद्धान्त के उद्भव एवं विकास की समीक्षा कीजिए।

472

MASA-07

June – Examination 2020

M.A. (Final) Examination

SANSKRIT

साहित्यशास्त्र

Paper : MASA-07

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) आनन्दवर्धन को किस संप्रदाय का प्रवर्तक माना जाता है ?

   (ii) आनन्दवर्धन ने किस शब्द व्यापार की स्थापना की है ?

(iii) काव्य प्रकाश में कितने उल्लास हैं ?

(iv) काव्य प्रकाश में वर्णित शब्द शक्तियों का नाम लिखिए।

(v) काव्य के कितने प्रकार हैं ?

(vi) 'वक्रोक्ति जीवितम्' ग्रंथ के रचनाकार कौन हैं ?

(vii) आनन्दवर्धन के प्रसिद्ध ग्रंथ का नाम बताइए।

(viii) 'अर्थोऽपि व्यञ्जकस्तत्र सहकारितयामतः' का क्या अर्थ है ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** कारिका की व्याख्या हिन्दी में संदर्भ सहित कीजिए :

(i) मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढ़ितोऽथ प्रयोजनात्।
अन्योऽर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया॥

(ii) ये रसस्यङ्गिनोधर्माः शौर्यादय इवात्मनः।
उत्कर्ष हेतवस्ते स्युरचल स्थितयो गुणाः॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** कारिका की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

(i) योऽर्थः सहृदयश्लाघ्यः काव्यात्मेति व्यवस्थितः।
वाच्य प्रतीयमानाख्यौ तस्यभेदावुभौ स्मृतौ॥

(ii) शब्दार्थ शासनज्ञानमात्रेर्णेव न वेद्यते।
वेद्यते स तु काव्यार्थ तत्वज्ञैरेव केवलम्॥

4. अलंकार शास्त्र की दृष्टि से काव्यमीमांसा के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए।

5. ध्वन्यालोक के द्वितीय उद्योत का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

6. 'तदोषौ शब्दार्थौ सगुणाव-नलङ्कृती पुनः क्वापि' की विवेचना कीजिए।

7. 'वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्' इस पंक्ति का विवेचन कीजिए।

8. मम्मट के अनुसार रस के गुणों की विवेचना कीजिए।

9. 'प्रतीयमानं पुनरन्यदेव' ध्वन्यालोक के अनुसार विवेचना कीजिए।